Jankriti International Magazine
ISSN: 2454-2725, Impact Factor: GIF 2.0202
www.jankritipatrika.in
Volume 3, Issue 33, January 2018

जनकृति अंतरराष्ट्रीय पत्रिका
ISSN: 2454-2725, Impact Factor: GIF 2.0202
www.jankritipatrika.in
वर्ष 3, अंक 33, जनवरी 2018

साहित्यिक विमर्श

पत्थर देखेंगे

ख्वाबों को अक्सर देखेंगे।
पहले से बेहतर देखेंगे।

उम्मीदें जब थक जाएँगी,
तब जाकर बिस्तर देखेंगे।

नींद हमारी ख्वाब हमारे,
क्यों खुद को कमतर देखेंगे।

अपने हिस्से के जीवन में,
जीने के अवसर देखेंगे।

धरती पर हम पाँव जमा लें,
फिर अम्बर जी भर देखेंगे।

अंदाजा कद का हो जाये,
उतनी ही चादर देखेंगे।

जब भी सत्य होंठ पर होगा,
माथे पर पत्थर देखेंगे।

संदीप सरस
बिसवां, सीतापुर
उ प्र~261201

Jankriti International Magazine
ISSN: 2454-2725, Impact Factor: GIF 2.0202
www.jankritipatrika.in
Volume 3, Issue 33, January 2018

जनकृति अंतरराष्ट्रीय पत्रिका
ISSN: 2454-2725, Impact Factor: GIF 2.0202
www.jankritipatrika.in
वर्ष 3, अंक 33, जनवरी 2018

मो- 9450382515